This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :

Unique Paper Code : **12131301**

Name of the Paper : **Classical Sanskrit Literature (Drama)**

Name of the Course : **LOCF, B.A. (H) Sanskrit, Core**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours**

Maximum Marks : **75**

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं **4** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क के श्लोकों का सार अपने शब्दों में लिखिये।
   Write the summary of the verses of the fourth act of 'Abhijnanashakuntalam' prescribed in your syllabus.
2. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के प्रथम एवं छठे अङ्क की कथावस्तु का महत्त्व उदाहरण सहित बताइये।
   Describe with examples the importance of the themes of the first and sixth acts of 'Swapnawasavadattam'.
3. मुद्राराक्षस एक ऐतिहासिक नाटक है – पाठ्यक्रम में निर्धारित श्लोकों के आधार पर समझाइये।
   'Mudrarakshasa' is a historical play' – explain on the basis of the verses prescribed in your syllabus.
4. संस्कृत नाटक के उद्भव एवं विकास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिये।
   Write a detailed essay on the origin and development of Sanskrit drama.
5. विशाखदत्त की नाट्यकला का विश्लेषण कीजिए।
   Analyze the dramatic art of Vishakhadatta.
6. भवभूति एवं श्रीहर्ष का परिचय दीजिए।
   Give the introduction of भवभूति, श्रीहर्ष।

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 1 printed page]

Roll No.:

Unique Paper Code	:	**12131302**
Name of the Paper	:	**Poetics and Literary Criticism**
Name of the Course	:	**LOCF, B.A. (H), Sanskrit, Core**
Semester	:	**III**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**75 Marks**

टिप्पणी :

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अंक समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 question** each question contains equal marks.

1. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजन बताएँ।
   Elucidate the objectives of Kavya as stated by आचार्य मम्मट.
2. महाकाव्य के लक्षण विवेचित करें ।
   Define the महाकाव्य.
3. लक्षणा के छह भेदों की उदाहरण सहित विवेचना करें।
   Explain with examples the six types of लक्षणा.
4. भरत मुनि के रससूत्र की समीक्षा करें।
   Critically examine the रससूत्र of भरत मुनि.
5. किन्हीं तीन अलंकारों के उदाहरण सहित लक्षण लिखें -श्लेष , संदेह, दीपक, विभावना, अतिशयोक्ति।
   Define with example any three of the following figures of speech- श्लेष, संदेह, दीपक, विभावना, अतिशयोक्ति.
6. किन्हीं तीन छंदों के उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – आर्या , द्रुतविलंबित , मालिनी, शार्दूलविक्रीडित , इंद्रवज्रा।
   Define and illustrate any three of the following meters- आर्या, द्रुतविलंबित, मालिनी, शार्दूलविक्रीडित , इंद्रवज्रा।

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 1 printed page]

Roll No.:

Unique Paper Code	:	**12133902**
Name of the Paper	:	**Reading Skills in Brāhmī Scripts**
Name of the Course	:	**LOCF, BA (H), Sanskrit, SEC**
Semester	:	**III**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**75 Marks**

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं **4** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.

1. ब्राह्मी लिपि का सविस्तार वर्णन कीजिए।
   Describe the Brahmi script in detail.
2. गुप्तकाल तक विकसित होने वाली ब्राह्मी लिपि के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
   Throw light on the various types of Brahmi script developing upto Gupta period.
3. प्राचीन भारतीय लिपियों की उत्पत्ति व प्रकार का विवेचन कीजिए।
   Describe the origin and kinds of Ancient Indian scripts.
4. बांग्ला, शारदा, नागरी एवं तमिल लिपि पर निबन्ध लिखिए।
   Write essay on Bangla, Sharda, Nagari and Tamil Scripts.
5. राजबली पाण्डेय, डी.सी. सरकार, ब्यूलर एवं कनिंघम का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
   Give the introduction of Rajbali Pandey, DC Sarkar, Bueller and Cunningham
6. अभिलेखों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
   Describe the various types of Inscriptions.

Scanned with CamScanner

13:32 71%

[This question paper contains 1 printed page]

Roll No.:

Unique Paper Code	:	**12131303**
Name of the Paper	:	**Indian Social Institutions and Polity**
Name of the Course	:	**LOCF, B.A. (Hon.) Sanskrit, Core**
Semester	:	**III**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**75 Marks**

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं **4** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.

1. भारतीय सामाजिक संस्थाओं के स्वरुप एवं विविध स्रोतों का वर्णन कीजिए।
   Explain the form of the different sources of Indian Social Institutions.
2. धर्म की अवधारणा एवं "दशकम धर्मलक्षणम्" का वर्णन कीजिए।
   Explain the concept of Dharma and Dhashakam Dharmlakshanma.
3. भारतीय समाज के षोडश संस्कारों के महत्व का वर्णन कीजिए।
   Describe the importanace of the Sixteen Sanskar of Indian Society.
4. वर्ण-व्यवस्था एवं जाति-व्यवस्था के अन्तर्सम्बधों को स्पष्ट कीजिए।
   Explain the interrelationship between the Varnvyastha and Caste-system.
5. बौद्धकालीन गणतंत्रात्मक राज्य के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
   Describe the form the Republic state in Bauddha period.
6. सप्तांग सिद्धान्त एवं शुक्राचार्य **अथवा** सभा, समिति एवं कौटिल्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
   Write a short notes Saptangaa Siddhanta and Shukracharya OR sabha, samite and Kautilyaa.

Scanned with CamScanner